पाठ 6. मुसकराकर चल मुसाफ़िर

पाठ का परिचय

कवि मुसाफ़िर से कह रहे हैं कि यदि तुझे पथ पर आगे बढ़ना है तो मुसकराते हुए आगे बढ़। वह मुसाफ़िर ही कैसा मुसाफ़िर है जिसे रास्ते के कुछ काँटे या बाधाएँ ही वापस मुड़ने पर मज़बूर कर दें? ऐसा हौसला किस काम का जिसे थोड़ी-सी मुश्किलें ही पीछे हटा दें? प्रगति पथ पर आगे बढ़ने वाले लोगों को किसी भी तरह के प्रलोभन लुभा नहीं सकते। ऐसा व्यक्ति जो आँधियों और बिजलियों में बिना विचलित हुए आगे बढ़ता चला जाता है, वही अपनी मंज़िल को प्राप्त करता है। कवि मुसाफ़िर को जगाते हुए कह रहे हैं कि कर्तव्य को निभाने के लिए यदि जान भी देनी पड़े तो उससे भी पीछे नहीं हटना। आँधियों के सामने मुसकराने वाले लोग आने वाली पीढ़ी के लिए आदर्श बन जाते हैं। कवि फूल का उदाहरण देते हुए कहते हैं कि जिस प्रकार एक मामूली-सा फूल आँधियों, तूफ़ानों व काँटों से भी जूझते हुए मुसकराता रहता है, उसी प्रकार, हे मुसाफ़िर, तुझे भी मुसकराना है। मुसाफ़िर, इस बात को याद रख कि जो सामने आने वाली विपत्ति का सामना बहादुरी से करते हैं वे अपने पीछे आने वालों के लिए अपने पद-चिह्न छोड़ जाते हैं। कवि फूल का उदाहरण देकर समझा रहे हैं कि जिस प्रकार फूल आँधियों और कंटकों से न घबराते हुए अपने अस्तित्व को बनाए रखता है उसी प्रकार व्यक्ति को धैर्य के साथ आगे बढ़ते रहना चाहिए। रास्ते की परेशानियों को देखकर हार मानने वाला व्यक्ति कभी मंज़िल पर नहीं पहुँचता।

पाठ में निहित जीवन-मूल्य

मुसकराते हुए अपने लक्ष्य की ओर बढ़ो। राह में आने वाली मुश्किलों का सामना करो। जो लोग आँधियों का सामना करते हैं और मुसकराते हुए आगे बढ़ते रहते हैं, उन्हें मंज़िल अवश्य मिल जाती है।

पाठ का वाचन

अध्यापक/अध्यापिका कविता का वाचन पूरे हाव-भाव के साथ करें। कविता जोश से भरी है अत: बच्चों से पूरे उतार-चढ़ाव के साथ कविता का वाचन करवाएँ। कठिन शब्दों के अर्थ बताएँ। अंत में पूरी कविता का भाव स्पष्ट करें।

महत्वपूर्ण चर्चा

निम्नलिखित प्रश्नों पर आधारित चर्चा बच्चों से कक्षा में करें –

- क्या तुम समझते हो कि कठिन परिश्रम सदैव लाभ पहुँचाता है?
- तुमने कब और किस प्रकार कठिन परिश्रम के महत्व को समझा?
- धैर्य के लिए कवि ने फूल का उदाहरण दिया है। क्या तुम प्रकृति में से कोई अन्य उदाहरण दे सकते हो?